

Publication : Rajasthan Patrika

Region : Chennai

Date : Dec 08, 2010

भारत बने ज्ञान का सुपर पावर

चेन्नई. भारत को शिक्षा के क्षेत्र में सुपर पावर बनकर निकलने की आवश्यकता है। नवीन शिक्षा पर दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई में आईडिस्कवरीज स्कूल ऑफ टुमारो नामक एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा हिस्सा लेते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शिक्षा में कौशल, मनोवृत्ति और मूल्यों को सम्मिलित करने की जरूरत है। सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा हिस्सा लेते हुए हार्वर्ड विवि के प्रोफेसर और जीरो शोध कार्यक्रम परियोजना के सह-संस्थापक डेविड पर्किन्स ने कहा कि एक शिक्षाविद होने के मुताबिक हमें विद्यार्थियों को शिक्षित करने के लिए पढ़ना पड़ता है, पर वही पढ़ाई विद्यार्थी के जीवन में बदलाव लाती है। उन्होंने व्यावहारिक शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि जो पाठ हम किंडन गार्डन स्कूल से लेकर कॉलेज स्तर तक पढ़ाते हैं शायद ही वे हमारे दैनिक जीवन में काम आते हैं। हमें विद्यार्थियों को भविष्य में आने वाली नई चुनौतियों के लिए तैयार करना है।